

बुलेटिन संख्या-२६

दिनांक-मंगलवार, २ अप्रैल, २०१६



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.५ एवं २०.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७६ सुबह में एवं दोपहर में ४८ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.० घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २४.६ एवं दोपहर में ३४.९ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(३ से ७ अप्रैल, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३ से ७ अप्रैल, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- अगले २ से ३ दिनों तक मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। उत्तर बिहार के जिलों में ६ से ७ अप्रैल के आसपास हल्की वर्षा की संभावना है। वर्षा के दौरान हवा की गति थोड़ी अधिक रह सकती है।
- अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान १७ से १६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- ६-७ अप्रैल में हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में कीटनाशकों का छिड़काव एवं गेहूँ की तैयार फसलों की कटनी-दौनी में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर १० अप्रैल तक सम्पन्न करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३० X १० से०मी० रखें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करें। बीज ८० किंवाटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड़ड़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम यूरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करें। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान ५० ई०सी० या डाइमथोएट ३० ई०सी० दवा का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- आम में मटर के दाने के बराबर फल लग चुके हैं। इस अवस्था में इमिडाक्लोरप्रिड (१७.८ एस०एल०)/१ मि०ली० दवा प्रति २ लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल १ ग्राम/२ लीटर पानी या डाइनोक्वैप (४६ ई०सी०) १ मिली दवा प्रति १ लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से मधुवा एवं चूर्णिल आसिता की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा/१ मिली प्रति ३ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवाँस ७६ ई०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में भुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है।
- प्याज फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुंचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसूक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते हैं जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते हैं जो बाद में हल्के सफेद हो जाते हैं। थ्रिप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इन्डिक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: ३२.२ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से २.५ डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: १८.२ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य के बराबर

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी